चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.9.24	3	1-4

कृषि मेले का समापन • 39 हजार 600 किसानों ने की शिरकत, 2 करोड़ 39 लाख रुपये के बिके बीज

गेहूं की कम पानी वाली वेरायटी डब्ल्यूएच 1142 और 1184 मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 की रही डिमांड

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला रबी का समापन मंगलवार को हो गया। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' रहा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। विश्वविद्यालय अब तक 295 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है और इन किस्मों की अन्य प्रदेशों में मांग बढ़ रही है। मेले में विश्वविद्यालय की गेंहू की कम पानी में उगाई जाने वाली डब्ल्यूएच 1142 व 1184, राया की आरएच 1424 व आरएच 761 तथा चारे वाली फसल मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 जैसी नई किस्मों की काफी मांग रही। मेले में नवीनतम कृषि पद्यतियों को जानने के अलावा उनके तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य आकर्षण रहते हैं। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र में किसानों ने अपनी खेती संबंधी समस्याओं के निदान मिलते हैं व उन्हें कृषि वैज्ञानिकों से मिलने का मौका भी मिलता है।

इस वर्ष के मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' इसीलिए रखा गया है ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। वर्तमान समय में हमें फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर जीवांश की मात्रा बढ़ाने, फसल विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान देने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए कम पानी में उगाई जाने वाली किस्मों के साथ-साथ फलदार पौधों व वृक्षारोपण को भी बढ़ाने की जरूरत है।

हकृवि कृषि मेले में बीज के लिए लगी किसानों की लाइनें।

कृषि मेले में मिट्टी के 123 और पानी के 290 नमूनों की जांच करवाई

कृषि मेले में दोनों दिन 39 हजार 600 किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, जई, तथा मक्का की उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 39 लाख रुपए के बीज खरीदे। मेले में 65 हजार रुपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 1 लाख 97 हजार 900 रुपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी के 123 तथा पानी के 290 नमूनों की जांच करवाई।

बीज के लिए घंटों तक इंतजार, पर्याप्त बीज भी नहीं मिला : हर्षदीप

भारतीय किसान नौजवान यूनियन की प्रदेश कोर कमेटी के सदस्य हर्षदीप गिल ने कहा है कि हकृवि में आयोजित किसान मेले में किसानों को पर्याप्त बीज नहीं मिल सका। बीज के लिए सुबह से लाइन में लगने के बावजूद किसानों को बीज उपलब्ध नहीं हो सका। बीज के लिए यूनिवर्सिटी काउंटर्स पर पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा इस बार किसान मेले में फसल प्रतियोगिता का आयोजन नहीं किया गया।

'फसल अवशेष प्रबंधन'

विभिन्न फसलों की कटाई के बाद बचे हुए डंठल, बचे हुए पुआल, भूसा, तना तथा जमीन पर पड़ी हुई पत्तियों आदि को फसल अवशेष कहा जाता है। विगत एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढ़ा है। साथ ही खेतीहर मजदूरों की कमी की वजह से भी यह स्थिति बन गई है। ऐसे में कटाई व गहाई के लिए कंबाइन हार्वेस्टर का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह से भारी मात्रा में फसल अवशेष खेत में पड़ा रह जाता है। जिसका समुचित प्रबन्धन एक चुनौती है। किसान अपनी सहुलियत के लिए इसे जला देते हैं। परन्तु फसल अवशेष को जलाने से खेत की मिट्टी, वातावरण व मनुष्य एवं पशुओं के स्वास्थ्य के लिए कितना घातक है इसका अंदाजा भी लगाना मुश्किल है। विश्वविद्यालय एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे अभियान के कारण हरियाणा फसल अवशेष प्रबंधन के क्षेत्र में देश का अग्रणीय राज्य बन गया है लेकिन इसे और अधिक प्रचारित करने की जरूरत है। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में दी गई सुविधाओं जैसे मिट्टी पानी की जांच, बीज व पौध तथा कृषि साहित्य की उपलब्धता के साथ नई किस्मों के प्रदर्शन प्लाट के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18-9-24	5	1-4

हकृवि में 'फसल अवशेष प्रबंधन' पर कृषि मेला सम्पन्न

हिसार, 17 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 262 स्टालें लगाई गई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाए साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है।

विश्वविद्यालय अब तक 295 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है तथा इन किस्मों की अन्य प्रदेशों में मांग बढ़ रही है। मेले में विश्वविद्यालय की गेंहू की कम पानी में उगाई जाने वाली डब्ल्यूएच 1142 व 1184, राया की आरएच 1424 व आरएच 761 तथा चारे वाली फसल मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 जैसी नई किस्मों की काफी मांग रही। मेले में आए किसानों ने जहां सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे वहीं प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। इस वर्ष के मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' इसीलिए रखा गया है। विभिन्न फसलों की कटाई के बाद बचे हुए डंठल, बचे हुए पुआल, भूसा, तना तथा जमीन पर पड़ी हुई पत्तियों आदि को फसल अवशेष कहा जाता है।

मेले में बीज खरीद केन्द्रों पर किसान बीज खरीदते हुए।

हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों के किसानों की रही भारी भीड़

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में दी गई सुविधाओं जैसे मिट्टी पानी की जांच, बीज व पौध तथा कृषि साहित्य की उपलब्धता के साथ नई किस्मों के प्रदर्शन प्लाट के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। किसानों को प्रदर्शन प्लाट दिखाने के लिए गाडियों का विशेष इंतेजाम किया गया था। युवा किसानों के द्वारा कृषि क्षेत्र से संबंधित स्वरोजगार स्थापित करने हेतु मेले में विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान की गई। उधर मेले में दोनो दिन 39 हजार 600 किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की।

मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, जई, तथा मक्का की उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 39 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 65 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 1 लाख 97 हजार 900 रूपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी के 123 तथा पानी के 290 नमूनों की जांच करवाई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखीं तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.9.24	3	1-6

हकृवि में 'फसल अवशेष प्रबंधन' पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

मेले में बीज खरीद केन्द्रों पर किसान बीज खरीदते हुए व मेले में आए हुए किसान।

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 262 स्टालें लगाई गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है।

विश्वविद्यालय अब तक 295 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है तथा इन किस्मों की अन्य प्रदेशों में मांग बढ़ रही है। मेले में विश्वविद्यालय की गेंहू की कम पानी में उगाई जाने-वाली डब्ल्यूएच 1142 व 1184, राया की आरएच 1424 व आरएच 761 तथा चारे वाली फसल मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 जैसी नई किस्मों की काफी मांग रही।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में दी गई सुविधाओं जैसे मिट्टी पानी की जांच, बीज व पौध तथा कृषि साहित्य की उपलब्धता के साथ नई किस्मों के प्रदर्शन प्लाट के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी।

किसानों को प्रदर्शन प्लाट दिखाने के लिए गाड़ियों का विशेष इंतेजाम किया गया था। युवा किसानों के द्वारा कृषि क्षेत्र से संबंधित स्वरोजगार स्थापित करने हेतु मेले में विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान की गई।

2 दिन 39 हजार 600 किसानों ने की शिरकत, 2 करोड़ 39 लाख के बिके बीज

मेले में दोनों दिन 39 हजार 600 किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया, जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, जई, तथा मक्का की उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 39 लाख रुपए के बीज खरीदे। मेले में 65 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 1 लाख 97 हजार 900 रुपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी के 123 तथा पानी के 290 नमूनों की जांच करवाई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखीं तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	18.9.24	11	2-6

हरियाणा और पड़ोसी राज्यों से एचएयू के मेले में पहुंचे किसान

39,600 किसान मेले में आए 2.39 करोड़ के बीज खरीदे

एचएयू में 'फसल अवशेष प्रबंधन' पर आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले का संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। मेले में बीज खरीद केन्द्रों पर किसान बीज खरीदते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) में केवल हरियाणा ही नहीं बल्कि पड़ौसी राज्यों के किसानों ने भी भारी संख्या में शिरकत की। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 262 स्टालें लगाई गई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाए साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई।

मेले में दोनों दिन 39 हजार 600 किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, जई, तथा मक्का की उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 39 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 65 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई।

सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 1 लाख 97 हजार 900 रूपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी के 123 तथा पानी के 290 नमूनों की जांच करवाई। किसानों ने विवि के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखीं तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने मंगलवार को मेले के समापन अवसर पर बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। विश्वविद्यालय अब तक 295 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है तथा इन किस्मों की अन्य प्रदेशों में मांग बढ़ रही है। मेले में विश्वविद्यालय की गेंहू की कम पानी में उगाई जाने वाली डब्ल्यूएच 1142 व 1184, राया की आरएच 1424 व आरएच 761 तथा चारे वाली फसल मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 जैसी नई किस्मों की काफी मांग रही। इस वर्ष के मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' इसीलिए रखा गया है ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। वर्तमान समय में हमें फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर जीवांश की मात्रा बढ़ाने, फसल विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान देने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने को कम पानी में उगाई जाने वाली किस्मों के साथ-साथ फलदार पौधों व वृक्षारोपण को भी बढ़ाने की जरूरत है।

निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में दी गई सुविधाओं जैसे मिट्टी पानी की जांच, बीज व पौध तथा कृषि साहित्य की उपलब्धता के साथ नई किस्मों के प्रदर्शन प्लाट के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। किसानों को प्रदर्शन प्लाट दिखाने के लिए गाडियों का विशेष इंतेजाम किया गया था। युवा किसानों के द्वारा कृषि क्षेत्र से संबंधित स्वरोजगार स्थापित करने के लिए मेले में विभिन्न प्रकार की जानकारियां प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	18.9.24	6	1-5

हकृवि में 'फसल अवशेष प्रबंधन' पर हुआ मंथन

कृषि क्षेत्र में मशीनों के बढ़े प्रयोग के बावजूद अवशेष प्रबंधन बना चुनौती

सच कहूँ/संदीप सिंहमार

हिसार। आज के इस वैज्ञानिक युग में कृषि क्षेत्र में भी मशीनों का प्रयोग बढ़ने से खेती का काम तो आसान हुआ है पर साथ ही मशीनों से फसलों की कटाई करने के बाद बचने वाला अवशेष देशभर में चुनौती बना हुआ है। इस विषय पर हर वर्ष केंद्रीय कृषि मंत्रालय के साथ-साथ कृषि विश्विद्यालयों के वैज्ञानिक फसली अवशेषों का विकल्प ढूंढने के प्रयास कर रहे हैं, पर इस दिशा में अभी तक कोई भी सटीक समाधान नहीं निकल पाया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में भी दो दिनों तक देशभर के कृषि वैज्ञानिकों ने मंथन किया। कृषि वैज्ञानिकों ने भी स्वीकार किया की पिछले एक दशक से कृषि अवशेष पर्यावरण ही नहीं जमीन के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं,क्योंकि किसानों के पास किसी भी प्रकार का समाधान न होने के कारण कृषि अवशेषों को जला देते हैं। विभिन्न फसलों की कटाई के बाद बचे हुए डंठल, बचे हुए पुआल, भूसा, तना तथा जमीन पर पड़ी हुई पत्तियों आदि को फसल अवशेष कहा जाता है।

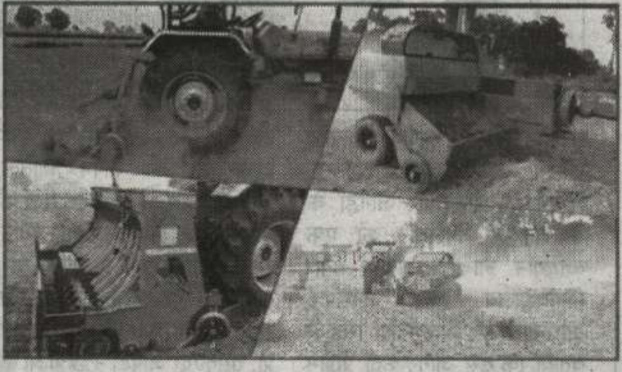

किसानों से सांझा की जानकारी

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने विश्वविद्यालय एवं कृषि तथा किसान कल्याण विभाग द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी किसानों के साथ सांझा तो कि पर इस तरीके पर किसानों को ज्यादा खर्च करना पड़ता है,इसलिए किसान अपना पाते। इस विधि के अनु किसान फसली अवशेषों कल्टीवेटर की सहायता से में दबा सकते हैं, पर यह प्रक्रि महंगी व लम्बी है। इन विषयों पर दो दिनों तक वैज्ञानिकों ने मंथन किया।

कंबाईन हार्वेस्टर का प्रचलन तेजी से ब

एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढ़ा है। साथ ही खेती मजदूरों की कमी की वजह से भी यह स्थिति बन गई है। ऐसे में कट व गहाई के लिए कंबाईन हार्वेस्टर का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ा जिसकी वजह से भारी मात्रा में फसल अवशेष खेत में पड़ा रह जा है। जिसका समुचित प्रबन्धन एक चुनौती है। किसान अपनी सहुलि के लिए इसे जला देते हैं। परन्तु फसल अवशेष को जलाने से ख की मिट्टी, वातावरण व मनुष्य एवं पशुओं के स्वास्थ्य के लिए कित घातक है इसका अंदाजा भी लगाना मुश्किल है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.9.24	4	1-4

पैदावार ज्यादा और गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण नई किस्मों की रहती है डिमांड : कुलपति

मेले में पहली बार लगी ड्रैगन फ्रूट की स्टाल, काफी लोगों ने चखा स्वाद और खरीदा

जागरण संवाददाता•हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) के दूसरे दिन मंगलवार को महिला किसान और स्कूल व विश्वविद्यालयों से कृषि संबंधित कोर्स कर रहे छात्र-छात्राएं पहुंचे। मेले में ड्रैगन फ्रूट की स्टाल भी पहली बार देखने को मिली। काफी लोगों ने ड्रैगेन फ्रूट का स्वाद चखा और खरीदारी की। इन दो दिनों में 39 हजार 600 किसान पहुंचे और नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी ली। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए मांग रही। किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, जई, मक्का की उन्नत किस्मों के करीब दो करोड़ 39 लाख रुपये के बीज खरीदे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। अब तक 295 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है। मेले में गेहू की कम पानी में उगाई जाने वाली डब्ल्यूएच 1142 व 1184, राया की आरएच 1424 व आरएच 761 तथा चारे वाली फसल मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 जैसी नई किस्मों की काफी मांग रही। मेले में सब्जियों, फलदार पौधों के बीज खरीदे। उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। मेले में नवीनतम कृषि पद्धतियों को जानने के अलावा उनके तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य आकर्षण रहते हैं।

फसल अवशेष जलाना घातक : विभिन्न फसलों की कटाई के बाद बचे हुए डंठल, बचे हुए पुआल, भूसा, तना तथा जमीन पर पड़ी हुई पत्तियों आदि को फसल अवशेष कहा जाता है। विगत एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढ़ा है। साथ ही खेतीहर मजदूरों की कमी की वजह से भी यह स्थिति बन गई है। ऐसे में फसल कटाई व कढ़ाई के लिए कंबाइन हार्वेस्टर का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह से भारी मात्रा में फसल अवशेष खेत में पड़ा रह जाता है। जिसका समुचित प्रबंधन एक चुनौती है।

एचएयू में आयोजित कृषि मेले में सिरसा से किसान हरमनप्रीत ड्रैगन फ्रूट की स्टाल लगाए हुए और खरीदारी करते किसान व महिलाएं • जागरण

स्वरोजगार स्थापित करने के लिए मेले में दी जानकारियां

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने युवा किसानों के द्वारा कृषि क्षेत्र से संबंधित स्वरोजगार स्थापित करने के लिए मेले में विभिन्न प्रकार की जानकारिया दी। मेले में 65 हजार रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की एक लाख 97 हजार 900 रुपये की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी के 123 व पानी के 290 नमूनों की जांच करवाई।

"मैंने छह साल पहले ड्रैगन फ्रूट खेती की शुरुआत की थी। अब कुछ और किसानों ने ड्रैगन फ्रूट की खेती शुरू की है। खेत में ही 250 रुपये किलो तक ड्रैगन फ्रूट बिक जाता है। इसकी खेती से आय में काफी इजाफा हुआ है। प्रति एकड़ सालाना करीब सात से आठ लाख रुपये कमाई हो जाती है। पहले नरमा व धान की खेती करता था, उससे प्रति एकड़ डेढ़ लाख रुपये आय होती थी। रिश्तेदारी में कोई जानकारी पंजाब यूनिवर्सिटी तलवंडी साबो पंजाब से बीएससी एग्रीकल्चर का कोर्स करता था, उसी ने इसकी खेती के बारे में बताया और पौधे लाकर दिए। अभी दो एकड़ में ड्रैगन फ्रूट की खेती है। 9-10 माह में खाने के लिए तैयार हो जाता है। इसकी फरवरी व जुलाई में बुवाई होती है। चंदन की खेती शुरू की है और 30 पौधे लगाए है।

-हरमनप्रीत, सिरसा जिले से गांव रसूलपुर निवासी।

कृषि मेले में गेहूं और सरसों के बीज को लेकर मारामारी

जागरण संवाददाता•हिसार : एचएयू में आयोजित कृषि मेले में मंगलवार को भी गेहूं व सरसों के बीज लेने को लेकर मारामारी रही। हरियाणा, राजस्थान, पंजाब व अन्य दूरदराज क्षेत्रों से किसान बीज लेने के लिए पहुंचे। मगर गेहूं व सरसों का बीज नहीं मिला तो हरा चारे का बीज खरीदकर चले गए। बीज के लिए रामधन बीज फार्म पर लंबी कतार लगी रही। बीज नहीं मिलने से उनके हाथ हताशा लगी।

यह बोले- मेले में आए किसान

"एचडी 3385 गेहू किस्म का 50 एकड़ का बीज लेना था, वह किस्म नहीं मिली। अच्छी पैदावार होती है। हर बार आते है।

-किसान **अंग्रेज सिंह**, रतिया से गांव सवपुर ढाणी।

जहाजगढ झज्जर में पशुओं का मेला लगता था। पहले उसमें जाते थे, लेकिन अब रूटीन में यहा हिसार में कृषि मेले में आते है। बीज तो मिल जाता है, पर लाइन में लगना पड़ता है। हर बार सुबह 5 बजे जल्दी आ जाते है।

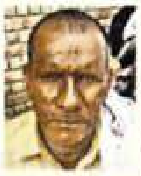

राजपाल, रोहतक जिले से गांव सांगाहेड़ा।

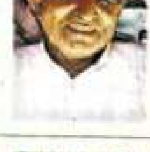

सुबह 8 बजे बजे से पहले ही आकर लाइन में लगा था। अब 1.30 बजे जाकर बीज मिला है। गेहू 222 किस्म के 30 से 40 कट्टे लेने थे, लेकिन इतना बीज इनके पास भी नही है। इसलिए गाडी भर नही रही तो खाली जाना पड़ता। अभी बरसीन का ही बीज लिया है। ई-रिक्शा में रखकर जा रहे है।

जयसिंह, चरखी दादरी जिले से गांव झमरी

मेले के दौरान बीज लेने को लेकर किसानों की लाइन ज्यादा लगती है। किसानों के लिए पर्ची काटने के लिए खिड़की ज्यादा होनी चाहिए। मेले में इस बार बरसीन का बीज लेना था। इस बार मेले में टाट बिछा दी है, इससे पहले टाट नहीं होने के कारण धूल उड़ती थी। पिछले बार किसानों ने माग रखी थी।

सूबेसिंह, ढाणी मीरा।

यहा मेले में दूरदराज से आने वाले किसानों के लिए ठहराने की व्यवस्था नहीं है। न शौचालय और न गर्मी से बचाव को टेंट की सुविधा नहीं है। किसान बीज के लिए लंबी लाइन में लगे है। हर बार बीज को लेकर दिक्कत रहती है। बीज नहीं मिलता। कुछ किसान वापस लौट जाते है। किसान परेशान है। इस पर ठोस कदम उठाना चाहिए। -किसान नेता गोलू ढाटा।"

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18.9.24	2	2-8

मेले में लिया खेती का ज्ञान, बीजों के गुण जान हुए हैरान

एचएयू में आयोजि दो दिवसीय 'फसल अवशेष प्रबंधन' विषय पर आयोजित मेले में 39,600 किसानों ने ली कृषि संबंधित जानकारी, 2.39 करोड़ के बीज बिके

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार से शुरू हुआ दो दिवसीय कृषि मेले में मंगलवार को काफी संख्या में किसान उमड़े। किसानों को नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 262 स्टालें लगाई गईं।

कृषि मेले में 39,600 किसानों ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी की जानकारी हासिल की। रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया। इस दौरान किसानों ने 2 करोड़ 39 लाख रुपये के बीज खरीदे। मेले में 65 हजार रुपये के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 1,97,900 रुपये की बिक्री हुई। किसानों ने मिट्टी के 123 और पानी के 290 नमूनों की जांच करवाई। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' रहा।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि एचएयू द्वारा तैयार की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। विश्वविद्यालय अब तक 295 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है मेले में विश्वविद्यालय की गेहूं की कम पानी में उगाई जाने वाली डब्ल्यूएच 1142 व 1184, राया की आरएच 1424 व आरएच 761 तथा चारे वाली फसल मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 जैसी नई किस्मों की मांग रही।

कृषि मेले में बीज और पौधों खरीद कर घर की ओर जाता किसान। संवाद

ड्रेगन फ्रूट की बागवानी से भरपूर लाभ

सिरसा के रसूलपुर गांव के हरमनप्रीत ने छह साल पहले 36 पौधों से खेती की शुरुआत की थी मगर आज वह दो एकड़ में ड्रेगन फ्रूट की खेती कर रहे है। इतना नहीं, अब हरमनप्रीत ने चंदन की खेती करने का प्लान भी तैयार किया है। हरमनप्रीत ने मंगलवार को एचएयू में लगे कृषि मेले में ड्रैगन फ्रूट की स्टाल लगाई हुई थी। इस खेती के बारे में किसान भी गहनता से जानकारी लेते दिखाई दिए। हरमनप्रीत बताते है कि सबसे पहले इस खेती की शुरुआत मैंने और पिता ने की। अब पूरा परिवार सहयोग कर रहा है। इसी खेती से एक एकड़ जमीन में सालाना सात से आठ लाख रुपये मुनाफा होता है। उन्होंने बताया कि इस फ्रूट की खेती रेतीली भूमि को छोड़कर बाकि सभी मिट्टी में कर सकते हैं। फरवरी से जुलाई महीने के बीच इसकी बजाई कर सकते हैं और 9-10 महीने में फसल तैयार हो जाती है। हरमनप्रीत धान व गेहूं की भी खेती करते हैं। यदि इस खेती का कोई प्रशिक्षण लेना चाहता है तो वे प्रशिक्षण भी ले सकते हैं।

गमले में लगी ज्वार को देखतीं छात्राएं। संवाद

बातचीत

फव्वारा सिंचाई से किसान बचा सकते हैं समय और पानी

फव्वारा सिंचाई को हरियाणा सरकार बढ़ावा दे रही है और 85 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है। इस तकनीक से सिंचाई करना आसान है। फसलों का उत्पादन बढ़ता है। इस सिस्टम से सिंचाई करने पर खाद व पानी की बचत होती है और लेबर की कम जरूरत पड़ती है। स्प्रिंकलर लगाने के लिए एक एकड़ में 50 हजार रुपये का खर्चा आता है, जिसमें से किसान को 14 हजार रुपये देने पड़ते हैं जबकि 36 हजार की सरकार सब्सिडी देती है। वहीं ड्रिप इरीगेशन पर एक एकड़ में 60-70 हजार रुपये का खर्चा होता है। वो अलग-अलग फसल के लिए अलग खर्चा आता है जैसे बाग के लिए 50 हजार रुपये, सब्जी के लिए 70 हजार रुपये प्रति एकड़ लगते हैं। जिसमें से किसान को 14-18 हजार रुपये देने पड़ते हैं बाकी राशि सरकार द्वारा दी जाती है। दोनों सिंचाई के लिए अच्छी तकनीक हैं। किसानों को फसल से लेकर बाग बागवानी व नर्सरी की सिंचाई के लिए इस सिस्टम का उपयोग करने की सलाह दी जाती है। - **प्रवीन, स्टॉल संचालक**

गाय के गोबर से बनाई लकड़ी

लुवास के डॉ. मान ने बताया कि गाय के गोबर में 10 प्रतिशत बुरादा मिलाकर उसकी लकड़ी बनाते हैं। इससे लोगों को लकड़ी के लिए पेड़ काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका ज्यादातर प्रयोग श्मशान घाट में कर सकते हैं। ईंट भट्ठों पर इसका प्रयोग किया जा सकता है। इसके अलावा गोबर के गणेश की मूर्तियां भी बनाते हैं। इसको कलर करके बेचते हैं जो इको फ्रैंडली होती हैं। इसके अलावा केंचुए की खाद बनाकर 8 रुपये किलो के हिसाब से बेचते हैं। वेस्ट टू वेल्थ में बदलकर कैसे किसान कमाई कर सकते हैं। 8 प्रतिशत मिथेन गैस गोबर के डी कंपोज होने पर निकलती है। हमारा प्रयास है कि गोबर गैस प्लांट बनाकर गोबर को डी कंपोज होने से रोका जाए और जिससे मिथेन गैस उत्पन्न न हो सके इसको लेकर भी एक मॉडल पर काम किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	17.09.2024	---	--

हकृवि में 'फसल अवशेष प्रबंधन' पर दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 262 स्टालें लगाई गई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाए साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। विश्वविद्यालय अब तक 295 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है तथा इन किस्मों की अन्य प्रदेशों में मांग बढ़ रही है। मेले में विश्वविद्यालय की गेंहू की कम पानी में उगाई जाने वाली डब्ल्यूएच 1142 व 1184, राया की आरएच 1424 व आरएच 761 तथा चारे वाली फसल मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 जैसी नई किस्मों की काफी मांग रही। मेले में आए किसानों ने जहां सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे वहीं प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में दी गई सुविधाओं जैसे मिट्टी पानी की जांच, बीज व पौध तथा कृषि साहित्य की उपलब्धता के साथ नई किस्मों के प्रदर्शन प्लाट के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। प्रदान की गई।

दोनों दिन 39 हजार 600 किसानों ने की शिरकत, 2.39 करोड़ के बिके बीज

मेले में दोनों दिन 39 हजार 600 किसानों की उपस्थिति दर्ज की गई। उन्होंने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में आगामी रबी फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने गेहूं, जौ, सरसों, चना, मेथी, मसूर, बरसीम, जई, तथा मक्का की उन्नत किस्मों के लगभग 2 करोड़ 39 लाख रूपए के बीज खरीदे। मेले में 65 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 1 लाख 97 हजार 900 रूपए की बिक्री हुई। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी के 123 तथा पानी के 290 नमूनों की जांच करवाई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखीं।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	18.09.2024	---	--

हकृवि में 'फसल अवशेष प्रबंधन' पर दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) संपन्न

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (रबी) का समापन हुआ। इस वर्ष कृषि मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' रहा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए 262 स्टालें लगाई गई। मेले में किसानों को रबी फसलों की उन्नत किस्मों के प्रमाणित बीज व कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाए साथ ही मिट्टी-पानी की जांच की सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि हकृवि द्वारा इजाद की गई किस्मों की पैदावार ज्यादा व गुणवत्ता से भरपूर होने के कारण किसानों के बीच में उनकी मांग ज्यादा रहती है। विश्वविद्यालय अब तक 295 उन्नत किस्में विकसित कर चुका है तथा इन किस्मों की अन्य प्रदेशों में मांग बढ़ रही है। मेले में विश्वविद्यालय की गेंहू की कम पानी में उगाई जाने वाली डब्ल्यूएच 1142 व 1184, राया की आरएच 1424 व आरएच 761 तथा चारे वाली फसल मल्टीकट जई की एचजे 8 व एचएफओ 707 जैसी नई किस्मों की काफी मांग रही। मेले में आए किसानों ने जहां सब्जियों के, फलदार पौधों के बीज खरीदे वहीं प्रदर्शन प्रक्षेत्र पर लगी हुई उन्नत किस्मों के प्रदर्शन प्लाटों का भी भ्रमण किया। मेले में नवीनतम कृषि पद्यतियों को जानने के अलावा उनके तकनीकी बुलेटिन भी किसानों के लिए मुख्य

आकर्षण रहते हैं। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र में किसानों ने अपनी खेती संबंधी समस्याओं के निदान मिलते हैं व उन्हे कृषि वैज्ञानिकों से मिलने का मौका भी मिलता है। इस वर्ष के मेले का थीम 'फसल अवशेष प्रबंधन' इसीलिए रखा गया है ताकि किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जा सके। वर्तमान समय में हमें फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाकर जीवांश की मात्रा बढ़ाने, फसल विविधिकरण अपनाने के साथ-साथ जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान देने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों से निपटने के लिए कम पानी में उगाई जाने वाली किस्मों के साथ-साथ फलदार पौधों व वृक्षारोपण को भी बढ़ाने की जरूरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	18.9.24	4	7-8

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

मुख्यातिथि छात्राओं एवं अधिकारियों के साथ।

हिसार, 17 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही।

अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कहा कि गणपति जी की कहानी से हमें ज्ञान और बुद्धि के महत्व के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने छात्राओं से अपने जीवन में गणपति बाप्पा के संदेश को अपनाने का भी आह्वान किया।

रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगो और गणपति डिजाइनों का उपयोग करके सुंदर रंगोली बनाई। नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न नृत्य शैलियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंतिम वर्ष की छात्राएं दीपिका एवं नेहा रहे, जबकि नृत्य प्रतियोगिता में रोनक ने प्रथम स्थान हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	18.9.24	2	4-5

रंगोली में दीपिका व नृत्य प्रतियोगिता में रोनक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

हिसार | एचएयू के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंतिम वर्ष की छात्राएं दीपिका एवं नेहा रहीं, जबकि नृत्य प्रतियोगिता में रोनक ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में डॉ. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। उन्होंने कहा कि गणपति जी की कहानी से हमें ज्ञान और बुद्धि के महत्व के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने छात्राओं से अपने जीवन में गणपति बप्पा के संदेश को अपनाने का भी आह्वान किया। संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. किरण सिंह ने कहा कि गणेश जी की आरती और प्रसाद ग्रहण करने से हमें शांति और ध्यान का अनुभव होता है। सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ ने कहा कि गणेश उत्सव के अवसर पर हम सभी को मिलकर गणेश जी की पूजा करनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	18.9.24	5	7-8

मुख्यातिथि छात्राओं व अधिकारियों के साथ।

हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में रंगोली व नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

हिसार, 17 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कहा कि गणपति जी की कहानी से हमें ज्ञान और बुद्धि के महत्व के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने छात्राओं से अपने जीवन में गणपति बप्पा के संदेश को अपनाने का भी आह्वान किया। विद्यार्थियों को गणपति बप्पा के संदेश को अपनाकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मेहनत करनी चाहिए। संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. किरण सिंह ने कहा कि गणेश जी की आरती और प्रसाद ग्रहण करने से हमें शांति और ध्यान का अनुभव होता है। सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ ने कहा कि गणेश उत्सव के अवसर पर हम सभी को मिलकर गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों और गणपति डिजाइनों का उपयोग करके सुंदर रंगोली बनाई। नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न नृत्य शैलियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंतिम वर्ष की छात्राएं दीपिका एवं नेहा रहे, जबकि नृत्य प्रतियोगिता में रोनक ने प्रथम स्थान हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	18-9-24	4	7-8

रंगोली प्रतियोगिता में दीपिका व नेहा रही प्रथम

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों और गणपति डिजाइनों का उपयोग करके सुंदर रंगोली बनाई। रंगोली में प्रथम स्थान पर अंतिम वर्ष की छात्रा दीपिका एवं नेहा रही, जबकि नृत्य प्रतियोगिता में रौनक ने प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कहा कि गणपति की कहानी से हमें ज्ञान और बुद्धि के महत्व के बारे में जानकारी मिलती है। विभागाध्यक्ष डॉ. किरण सिंह ने कहा कि गणेश जी की आरती और प्रसाद ग्रहण करने से हमें शांति और ध्यान का अनुभव होता है। सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ ने कहा कि गणेश उत्सव के अवसर पर हम सभी को मिलकर गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	18.9.24	10	6-8

नृत्य प्रतियोगिता में रौनक प्रथम

- एचएयू के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। छात्राओं एवं अधिकारियों के साथ मुख्य अतिथि। *फोटोः हरिभूमि*

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में छात्राओं की ओर से गणेश उत्सव के अवसर पर रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों और गणपति डिजाइनों का उपयोग करके सुंदर रंगोली बनाई। नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न नृत्य शैलियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंतिम वर्ष की छात्राएं दीपिका एवं नेहा रहे, जबकि नृत्य प्रतियोगिता में रोनक ने प्रथम स्थान हासिल किया। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने मंगलवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कहा कि गणपति जी की कहानी से हमें ज्ञान और बुद्धि के महत्व के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने छात्राओं से गणपति बप्पा के संदेश को अपनाने का भी आह्वान किया। विद्यार्थियों को गणपति बप्पा के संदेश को अपनाकर मेहनत करनी चाहिए।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	17.09.2024	---	--

रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 17 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कहा कि गणपति जी की कहानी से हमें ज्ञान और बुद्धि के महत्व के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने छात्राओं से अपने जीवन में गणपति बप्पा के संदेश को अपनाने का भी आह्वान किया। विद्यार्थियों को गणपति बप्पा के संदेश को अपनाकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मेहनत करनी चाहिए। संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. किरण सिंह ने कहा कि गणेश जी की आरती और प्रसाद ग्रहण करने से हमें शांति और ध्यान का अनुभव होता है। सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ ने कहा कि गणेश उत्सव के अवसर पर हम सभी को मिलकर गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों और गणपति डिजाइनों का उपयोग करके सुंदर रंगोली बनाई। नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न नृत्य शैलियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंतिम वर्ष की छात्राएं दीपिका एवं नेहा रहे, जबकि नृत्य प्रतियोगिता में रोनक ने प्रथम स्थान हासिल किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	17.09.2024	---	--

हकृवि के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

मुख्यातिथि छात्राओं एवं अधिकारियों के साथ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में छात्राओं द्वारा गणेश उत्सव के अवसर पर रंगोली एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की अनेक छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपरोक्त महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही।

अधिष्ठाता डॉ. बीना यादव ने कहा कि गणपति जी की कहानी से हमें ज्ञान और बुद्धि के महत्व के बारे में जानकारी मिलती है। उन्होंने छात्राओं से अपने जीवन में गणपति बप्पा के संदेश को अपनाने का भी आह्वान किया। विद्यार्थियों को गणपति बप्पा के संदेश को अपनाकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मेहनत करनी चाहिए। संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान की विभागाध्यक्ष डॉ. किरण सिंह ने कहा कि गणेश जी की आरती और प्रसाद ग्रहण करने से हमें शांति और ध्यान का अनुभव होता है। सहायक प्रोफेसर डॉ. कविता दुआ ने कहा कि गणेश उत्सव के अवसर पर हम सभी को मिलकर गणेश जी की पूजा करनी चाहिए।

रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगों और गणपति डिजाइनों का उपयोग करके सुंदर रंगोली बनाई। नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न नृत्य शैलियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर अंतिम वर्ष की छात्राएं दीपिका एवं नेहा रहे, जबकि नृत्य प्रतियोगिता में रोनक ने प्रथम स्थान हासिल किया।